राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, डेरा, थानागाजी, अलवर (राज.)

हरिकिशन मीना, टीआर

राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय थानागाजी मुख्यालय से करीब 10–12 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित है। यह शाला भौतिक दृष्टि से बैठक व्यवस्था के रूप में पर्याप्त संसाधन पूर्ण है तथा भौतिक व्यवस्था में इस शाला खेल मैदान उपलब्ध नहीं है। जिससे आउट डोर के खेल बच्चों के लिए उपलब्ध नहीं हो पाते हैं।

इस शाला का स्थापना वर्ष 1959–60 रहा है तथा क्रमोन्नत वर्ष 8 मई 1996 रहा है। साथ ही इस शाला में बच्चों के नामांकन का ग्राफ भी कृमिक रूप से बढ़ता गया हैं वर्तमान में यहाँ 243 बच्चे अध्ययनरत है। इस शाला के संस्था प्रधान श्री गिर्राज प्रसाद शर्मा है। जो कि काफी अनुभवी, मेहनती तथा आकर्षक व्यक्तित्व के गुणों के साथ नेतृत्वशीलता से अपनी शाला का संचालन करने का बेखुबी से प्रयास करते हैं। शालांचल की कुल जनसंख्या 1167 लोग है। जिनमें से 641 पुरुष तथा 526 महिलाएँ हैं। शालांचल का कोई भी बच्चा शालात्यागी या शाला से बाहर नहीं है। यह शाला सीसीई स्कीम में पूर्ण ब्लॉक एप्रोच के अन्तर्गत आती है। इस शाला में कुल स्टाफ सदस्य 7+1=8 है। जिनमे 4 महिलाएँ और चार पुरुष साथी है। एक शिक्षिका पूनमजी 6 माह से मातृत्व अवकाश पर चल रही है। इस शाला में 137 बालक और 106 बालिकाएँ है। यह शाला सीसीई स्कीम से पूर्व अन्य शालाओं की तरह ही परम्परागत रूप से संचालित हो रही थी पर हमारे प्रयासों से इसमे बदलाव महसूस किए गए जिनको यथा स्थिति, प्रयास, परिणाम और चुनौतियों के रूप में निम्नांकित बिन्दुओं के साथ समझा जा सकता है।

शाला में पहले की स्थिति	शाला में किए गए प्रयास	वर्तमान स्थिति (परिणाम)
1. प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम • शाला में केवल प्रार्थना एवं प्रतिज्ञा ही हो रही थी। • प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रमों में चिह्नित बालकों की भागीदारी होती थी। • प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम में अन्य कोई गतिविधियाँ नहीं होती थी। • प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम समित अवधि में ही पूर्ण होता था।	**1. प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम के प्रयास** • संस्था प्रधान से प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम की प्रासंगिता पर बातचीत की गई। • प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं महत्व पर विस्तापरपूर्वक चर्चा की गई। • शाला के संस्था प्रधान एवं शिक्षकों से बाल मनोविज्ञान के बिन्दुओं पर विस्तारपूर्वक विचार विमर्श किया गया। • प्रार्थना स्थलिय गतिविधियों में कहानी, कविता, बालगीतों को क्रमिक रूप से जगह दी गई। • प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम में सभी	**1. प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम** • सभी सत्र प्रार्थना स्थलिय रोचकता के साथ हो रहे है। • प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम में प्रार्थना के साथ बालगीत, चेतना गीत, दोहे व कविता, जीके प्रश्नोत्तरी जैसी गतिविधियों को शामिल किया जा रहा है। • सभी बच्चों की बदलते क्रम में भागीदारी नजर आने लगी है। • बच्चे मुखरता के साथ प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम में अपनी बात रखते है। • प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रम में

• प्रार्थना स्थलिय कार्यक्रमों में शिक्षकों की कोई भागीदारी नहीं होती थी।	बच्चों की भागीदारी एवं पूर्व तैयारी का अवसर प्रदान किया गया। • बदलते क्रम में शिक्षकों को जिम्मेदारी दी गई।	शिक्षक अपने जिम्मेदारी के साथ भागीदारी निभाते हैं।

कक्षा–कक्षीय प्रक्रिया में बदलाव

पहले की स्थिति	किए गए प्रयास	वर्तमान स्थिति
• कक्षा पूर्णतया शिक्षक केन्द्रित संचालित हो रही थी। • सभी बच्चों को कक्षा में अपनी बात रखने का अवसर प्रदान नहीं थी। • बच्चों को परस्पर सीखने का अवसर प्रदान नहीं होता था। • बच्चों के स्तरानुसार उपसमूह शिक्षण पर कोई ध्यान नहीं होता था। • बच्चों के टीएलएम के साथ कोई कार्य नहीं होता था। • मॉड्यूल में पाक्षिक योजना को कोई समावेश नहीं था। • बच्चों के आधार रेखा मूल्यांकन के कोई टूल्स नहीं थे न ही कोई बेसलाइन हो रखी थी। • बच्चों के स्तर व मॉड्यूल निर्धारण की कोई व्यवस्था नहीं थी। • पहले योजना में उद्देश्यों का समावेश नहीं था। • पहले योजना की समीक्षा का शिक्षक महत्व नहीं समझते थे।	• बच्चों का कक्षा व विषयानुसार शैक्षिक स्तरों का टूल्स की सहायता से बेसलाइन किया गया। • योजना में कला एवं संगीत जैसी गतिविधियों का समावेश कर कार्य करवाया गया। • कक्षा–कक्ष प्रक्रिया में बच्चों के स्तरानुसार उपसमूह बनाकर कार्य किया गया। • बच्चों के स्तर व मॉड्यूल निर्धारण का कार्य किया गया। • बच्चों के सीखने में परस्पर भागीदारी को योजना का हिस्सा बनाया गया। • बच्चों की बैठक व्यवस्था को पंक्ति रूप से बदलकर गोले में बिठाया गया। • सभी बच्चों के सीखने के समान अवसर को पाक्षिक योजना में शामिल किया गया। • योजना को उद्देश्यों के साथ गतिविधियात्मक रूप में बनाकर बताया गया। • योजना की साप्ताहिक समीक्षा के महत्व पर बातचीत कर उसके प्रभाव को समझाने का सतत रूप से प्रयास किया गया।	• प्राथमिक स्तर पर सभी कक्षाओं पर्यावरण के अलावा उपसमूह में शिक्षण हो रहा है। • बच्चों के साथ उपसमूह में आवश्यकता के अनुसार टीएलएम का उपयोग किया जा रहा है। • बच्चों को परस्पर सीखने का अवसर उपलब्ध हो रहा है। • बच्चों के स्तर व मॉड्यूल निर्धारण हो रखे है। • योजनानुरुप कक्षा–कक्ष में काम करवाने का ठीक प्रयास हो रहा है। • बच्चे यू व गोलाकार में अध्ययनरत है। • शिक्षक व बच्चों के मित्रवत एवं सहयोगात्मक व्यवहार नजर आने लगा है। • शिक्षक मददगार की भूमिका में रहता है। • अब विषयवार योजना उद्देश्यों के गतिविधियात्मक रूप में बनाई जाती है। • योजना की साप्ताहिक रूप में समीक्षा की जाती है तथा सभी शिक्षक उसको दर्ज़ करने का ठीक प्रयास करते हैं।

पोर्टफोलियो संधारण

पहले की स्थिति	किए गए प्रयास	परिणाम
• बच्चों के बेसलाइन टूल्स नहीं थे। • विषयवार कार्यपत्रक बने हुए नहीं थे। • पहले कार्यपत्रकों की जाँच एवं गुणात्मक टिप्पणी की समझ नहीं थी। • पहले बच्चों की फाइल बनी हुई नहीं थी।	• कक्षा एवं विषयवार गतिविधि टूल्स तैयार किए गये। • विषयवार कार्यपत्रक शिक्षकों के सहयोग से बनाकर उनका उपयोग एवं महत्व समझने पर बातचीत की गई। • विषयवार बच्चों के कार्यपत्रकों की जाँच करके गुणात्मक टिप्पणी करके शिक्षकों को समझाने का प्रयास किया गया। • संस्था प्रधान से एवं शिक्षकों के सहयोग से बच्चेवार फाइल बनवाई गई।	• प्रत्येक बच्चे की बेसलाइन एवं स्तर तथा मॉड्यूल निर्धारण हो रखा है। • विषयवार प्रत्येक बच्चे के कार्यपत्रक एवं उस पर गुणात्मक टिप्पणी कर रखी है। • प्रत्येक बच्चे की पोर्टफोलियो फाइल बनी हुई है।

पुस्तकालय

पहले की स्थिति	किए गए प्रयास	परिणाम
• पहले पुस्तकालय का समय सारणी में कोई समावेश नहीं था। • पुस्तकालय पुस्तकों का स्तर विभाजन नहीं था। • पुस्तकों के लेनदेन का निर्धारित रजिस्टर नहीं था।	• संस्था प्रधान से सतत विचार विमर्श कर पुस्तकालय की प्रासंगिकता को समझ गया। • पुस्तकों का स्तर अनुसार विभाजन शिक्षकों की मदद से करने का प्रयास किया गया। • पुस्तकों के लेनदेन रजिस्टर के बारे में संस्था प्रधान से बातचीत कर पुस्तकालय रजिस्टर की व्यवस्था करवाई गई।	• पुस्तकालय का समय सारणी में साप्ताहिक कालांश समावेश है। • पुस्तकों का स्तर विभाजन आयु व विषयवार हो रखा है। • वर्तमान में पुस्तकालय रजिस्टर उपलब्ध है तथा पुस्तकालय प्रभारी साप्ताहिक रूप से बच्चे को घर के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराके पुस्तकालय रजिस्टर का संधारण कर रहे हैं।

खेल

पहले शाला संचालन में बच्चों के शिक्षण के दौरान खेल गतिविधियों का कोई समय सारणी में स्थान नहीं था पर अब खेलों को समय सारणी में जगह दी गई है तथा किया जा रहा है। साथ ही इनडोर खेल कक्षा–कक्ष में शिक्षण के दौरान करवाए जाते हैं तथा साप्ताहिक रूप में खेल कालांश रखा गया है।

प्रधानाध्यापक पक्ष

पहले की स्थिति	किए गए प्रयास	परिणाम
• पहले संस्थान प्रधान शाला प्रबन्धन के अपेक्षित मापदण्ड़ों पर ध्यान नहीं देते थे। • शाला में सीसीई मॉनिटरिंग की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता था। • शाला गतिविधियों की कोई समीक्षा बैठके आयोजित नहीं होती थी।	• शाला के संस्था प्रधान को इस पद के महत्व पर अधिकारों की जागरूकता पर विस्तारपूर्वक बातचीत की गई। • संस्था प्रधान से सीसीई मॉनिटरिंग के लिए प्रेरित कर उसका महत्व समझाया गया। • संस्थान प्रधान से सतत विचार विमर्श कर समीक्षा बैठक का औचित्य समझाकर शाला समीक्षा बैठक जारी करवाकर समीक्षा रजिस्टर बनवाया गया।	• संस्था प्रधान द्वारा नेतृत्वशीलता के साथ शाला प्रबन्धन को देखा जा रहा है। • शाला में नियमित रूप से समीक्षा बैठकें हो रही है तथा शाला समीक्षा बैठक का संधारण हो रहा है।